



Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ मकर संक्रांति के मंत्र ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ मकर संक्रांति के मंत्र ॥

मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा, अर्घ्य और मंत्र जाप का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन प्रातःकाल स्नान करके सूर्य देव को अर्घ्य देते समय मंत्रों का जाप करना शुभ माना जाता है।

सूर्य देव का सरल मंत्र

ॐ सूर्याय नमः॥

इस मंत्र का जाप सूर्य देव को अर्घ्य देते समय किया जा सकता है।

आदित्य मंत्र

ॐ आदित्याय नमः॥

मकर संक्रांति के दिन प्रातःकाल इस मंत्र का श्रद्धापूर्वक जाप करना शुभ माना जाता है।

सूर्य बीज मंत्र

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः॥

इस मंत्र का जाप सूर्य उपासना के दौरान किया जाता है।

सूर्य गायत्री मंत्र

ॐ आदित्याय विद्महे

दिवाकराय धीमहि।

तन्नः सूर्यः प्रचोदयात्॥

यह सूर्य देव की स्तुति और ध्यान के लिए प्रचलित मंत्र है।

सूर्य अर्घ्य मंत्र

सूर्य देव को जल अर्पित करते समय बोल सकते हैं:

ॐ घृणि सूर्याय नमः॥

इसके बाद सूर्य देव को प्रणाम करके सुख, आरोग्य और समृद्धि की प्रार्थना करें।

सूर्य देव का वैदिक मंत्र

ॐ आकृष्णेन रजसा वर्तमानो

निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च।

हिरण्ययेन सविता रथेन

देवो याति भुवनानि पश्यन्॥

यह मंत्र सूर्य देव की वैदिक स्तुति से संबंधित है।

मकर संक्रांति पर दान मंत्र

दान करते समय श्रद्धापूर्वक कह सकते हैं:

“इदं दानं सूर्यदेवाय समर्पयामि।”

इसके बाद अपनी सामर्थ्य के अनुसार तिल, गुड़, अन्न, वस्त्र या अन्य उपयोगी सामग्री का दान करें।